छत्तीसगढ़ में नया टाइगर रिज़र्व

चर्चा में क्यों?

हाल ही में छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में **गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान और तमोर पिंगला वन्यजीव अभयारण्य** के क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक नया **बाघ अभयारण्य** घोषित करने का निर्णय लिया है।

यह राज्य का चौथा बाघ अभयारण्य होगा।

मुख्य बिंदु:

- बाघ अभयारण्य के निर्माण से पारिस्थितिकी पर्यटन का विकास होगा तथा इसके कोर तथा बफर क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों के लिये रोज़गार के अवसर उत्पन्न होंगे।
  - राज्य वन्य जीव बोर्ड की अनुशंसा और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (National Tiger Conservation Authority-NTCA), केंद्रीय वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की सहमति के अनुसार मंत्रिपरिषद ने 2,829.387 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिज़र्व अधिसूचित करने का निर्णय लिया है।
- वर्तमान में राज्य में तीन बाघ अभ्यारण्य हैं - **इंद्रावती (बीजापुर ज़िले में), उदंती-सीतानदी (गरियाबंद) और अचानकमार (मुंगेली)।**

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान

- **परिचय:**
  - **सतनामी सुधारक गुरु घासीदास** के नाम पर इसका नाम रखा गया है। यह वर्ष 2000 में मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ को अलग करने का परिणाम है। यह छत्तीसगढ़ के कोरिया ज़िले में स्थित है।
  - उद्यान की **स्थलाकृति लहरदार** है और यह **उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्र** के अंतर्गत आता है।
- **जैवविविधता:**
  - **वनस्पति:** वनस्पति में मुख्य रूप से सागौन, साल और बाँस के वृक्षों के साथ मिश्रित पर्णपाती वन शामिल हैं।
  - **जीव-जंतु:** बाघ, तेंदुआ, **चीतल, नीलगाय,** चिंकारा, सियार, **सांभर, चार सींग वाला मृग आदि।**

तमोर पिंगला वन्यजीव अभयारण्य

- **परिचय:**
  - यह उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे **छत्तीसगढ़ के सूरजपुर ज़िले में स्थित** है। इसका नाम **तमोर पहाड़ी और पिंगला नाला** के नाम पर रखा गया है।
  - तमोर पहाड़ी और पिंगला नाला अभयारण्य क्षेत्र की पुरानी तथा प्रमुख विशेषताएँ मानी जाती हैं।
- **जैवविविधता:**
  - **वनस्पति: इस अभ्यारण्य में मिश्रित पर्णपाती वनों का प्रभुत्व है।** साल और बाँस के वन हर जगह दिखाई देते हैं।
  - **जीव-जंतु:** बाघ, हाथी, तेंदुए, भालू, सांभर हिरण, नीलगाय, चीतल, बाइसन और ऐसे विभिन्न जानवर यहाँ पाए जाते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/new-tiger-reserve-in-chhattisgarh